ओआईएच

भारत सरकार
कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय
कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग

लोक सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 4986
दिनांक 23.07.2019

चावल अनुसंधान संस्थान की स्थापना

4986. श्री रविन्दर कुशवाहा:
श्री रवि किशन:

क्या कृषि और किसान कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या सरकार का देश के पूर्वी राज्यों/पूर्वी क्षेत्रों में चावल की उपज में वृद्धि करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की स्थापना करने का विचार है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) क्या चावल के बीजों की विशेष किस्मों को उत्पादित किए जाने की संभावना है; और

(घ) यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं?

उत्तर

कृषि और किसान कल्याण मंत्री
(श्री नरेन्द्र सिंह तोमर)

(क) एवं (ख): देश के पूर्वी राज्यों/पूर्वी क्षेत्रों में चावल की पैदावार बढ़ाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान की स्थापना का कोई प्रस्ताव सरकार के पास नहीं है।

तथापि, कृषि, सहकारिता एवं किसान कल्याण विभाग (डीएसीएंडएफडब्ल्यू) ने अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान (आईआरआरआई) के दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र खोलने के लिए

अंतर्राष्ट्रीय चावल अनुसंधान संस्थान के साथ एक करार किया है। तदनुसार, आईआरआरआई दक्षिण एशिया क्षेत्रीय केंद्र (आईएसएआरसी) की स्थापना वाराणसी में कर दी गई है।

(ग) राष्ट्रीय कृषि अनुसंधान प्रणाली (एनएआरएस) जिसमें भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय तथा राज्य कृषि विश्वविद्यालय शामिल हैं, के अनुसंधान प्रयासों के परिणामस्वरूप, चावल की उच्च पैदावार वाली दबाव के प्रति सहिष्णु 258 क़िस्मों का विकास किया गया है जिन्हें पि□छले पांच वर्षों के दौरान (2014-2018) फसल मानकों, कृषि फसलों की किस्मों की अधिसूचना तथा जारी करने पर केन्द्रीय उप-समिति द्वारा जारी और अधिसूचित किया गया है। चावल की उत्पादकता तथा उत्पादन बढ़ाने के उद्देश्य से पूर्वी राज्यों के लिए, बिहार के लिए 33 किस्में, झारखंड के लिए 15 किस्में, ओडिशा के लिए 57 किस्में तथा पश्चिम बंगाल के लिए 33 किस्में उसी अवधि के दौरान जारी की गई हैं।

इसके अतिरिक्त, एनएआरएस ने जैव-प्रबलीकृत किस्में नामत: सीआर धान 310 (उच्च प्रोटीन), सीआर धान 311 (उच्च प्रोटीन तथा उच्च जस्ता) तथा डीआरआर धान 45, डीआरआर धान 48, डीआरआर धान 49 (सभी उच्च जस्ता) विकसित की हैं।

(घ) उपरोक्त (ग) के उत्तर के मद्देनजर प्रश्न नहीं उठता।

****